



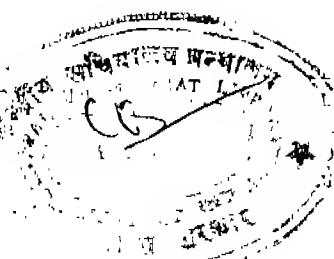
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-section (III)

प्रारंभिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



स. 43)

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 4, 1992/आषाढ़ 13, 1914

No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 4, 1992/ASADHA 13, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारत निवाचिन आयोग

अधिसूचना]

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1992

प्रा० अ० 67 (अ) :— लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवाचिन आयोग, बिहार सरकार के परामर्श से इस समय बिहार सरकार के मंत्रिमण्डल सांख्यान्य और समन्वय विभाग (निवाचिन अनुभाग) के प्रधान सचिव, आरक्षण आयुक्त और सचिव, राज्य सरकार अधिलेखागार विभाग के रूप में पदाधिकारी श्री मर्तीश भट्टनगर को तारोख 9 भार्च, 1982 की अधिसूचना सं० 154/बिहार/82 के द्वारा मुख्य निवाचिन अधिकारी के रूप में नामिन किया था;

और, आयोग ने तारीख 18 जून, 1992 के पत्र सं० 318/92 के द्वारा उक्त मुख्य निवाचिन अधिकारी, बिहार को बिहार विधान सभा के सदस्यों द्वारा राज्य सभा और बिहार विधान परिषद् के हितापिवर नामों के लिए अपना प्रेक्षक नियुक्त किया था जिसका निवाचिन 25 जून, 1992 को कराया जाना था।

और, आयोग ने अपने तारीख 1 जुलाई, 1992 के आदेश द्वारा 25-6-1992 को पटना में बिहार विधान सभा के सदस्यों द्वारा राज्य सभा और बिहार विधान परिषद् के द्विवार्षिक निवाचिनों को शृण्य जैवित कर दिया;

और, तारीख 1 जुलाई, 1992 के उसी आदेश में आयोग ने यह वेष्टा है कि मुख्य निवाचिन अधिकारी ने, जिन्हें उक्त निवाचिनों के लिए आयोग ने विशेषकृत से अपना प्रेक्षक नियुक्त किया था अपने कार्यों को करने में भारी रैम जिम्मेदारी दिखाई है और कि जिस समय मनदान केन्द्र में उत्तरों उपस्थिति अति आवश्यक थी अर्थात् मनदान के वास्तवम् समय जब अधिकारी मंडलों में मनदाना अपना गत ताल रहे थे उक्त उसी समय वे अनुपस्थित रहे।

और, तारीख 1 जुलाई, 1992 के उक्त आदेश में आयोग ने यह कहा है कि श्री सत्यं भट्टनागर विधार राज्य के मुख्य निवाचिन अधिकारी के कार्यालय को स्थानने में अवैध्य है;

अतः, इव, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 13क और धारा 30 के माध्य पठिन संविधान के अनुच्छेद 323 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इन्हें समर्थ बनाने वाली अन्य शक्तियों

का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग ने यह निर्देश दिया है कि थो सताश अटनारा नारंग 1 जुलाई, 1992 ने बिहार गवर्नर के भूमिका निर्वाचन अधिकारी नहीं रहेंगे।

[मा 154 /वडार /७२]

आदल से,
को. नं० ग्रा० फू०, भाज्व

ELECTION COMMISSION OF INDIA,
NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 1992

O.N. 67(E).—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Bihar had nominated Shri Satish Bhatnagar, presently designated as Principal Secretary to Govt. of Bihar, Cabinet Secretariat and Co-ordination Department (Election Section) Reservation Commissioner and Secretary to Government State Archives Department, as Chief Electoral Officer of Bihar vide its Notification No. 154/BR/82 dated 9th March, 1982;

And whereas, the Commission vide its letter No. 318/92 dated 18th June, 1992 appointed the said Chief Electoral Officer, Bihar as its observer for the biennial elections to the Council of States and the Bihar Legislative Council by Members of the Bihar Legislative Assembly, the poll for which was to be taken on the 25th June, 1992;

And whereas, the Commission has by its order dated the 1st July, 1992 declared the poll taken at Patna on 25-6-1992 for the biennial elections to the Council of States and the Bihar Legislative Council by Members of the Bihar Legislative Assembly as void;

And whereas, in the same order dated the 1st July, 1992 the Commission has observed that the Chief Electoral Officer, who was specifically appointed by the Commission as its Observer for the above elections displayed gross lack of a sense of responsibility in discharging the duties assigned to him and that he chose to be absent precisely at the time when his presence in the polling station was most needed, namely, the peak hours of polling when the maximum number of voters were casting their votes;

And whereas, the Commission has held in the said order dated 1st July, 1992 that Shri Satish Bhatnagar is unfit to hold the office of the Chief Electoral Officer of the State of Bihar;

Now, therefore, in exercise of powers conferred on it by Article 324 of the Constitution, read with Section 13A and Section 20 of the Representation of the People Act, 1951 and all other powers enabling it in this behalf, the Election Commission has directed that Shri Satish Bhatnagar has ceased to be the Chief Electoral Officer of the State of Bihar with effect from the 1st of July, 1992.

[No. 154/BR/92]

By Order,
K. P. G. KUTTY, Secy.